कीमत देकर बीज खरीदना पड़ता है और ऐसा बीज अप्रमाणित तथा पुराने होने से वे भारी मुसीबत में पड़ते हैं। राष्ट्रीय बीज निगम की निष्क्रियता के कारण इस वर्ष बड़ी संख्या में किसानों को समय पर बीज खास कर जूट बीज नहीं मिलने से जूट उत्पादक किसान केवल परेशान ही नहीं हुए भारी संख्या में वे धोखा-धड़ी के भी शिकार हुए। पुराने एवं अप्रमाणित अवांछित किस्म के बीज बोने के कारण या तो बीज अंकुरित ही नहीं हुए या फिर अवांछित एवं निकृष्ट किस्म के जूट होने के कारण ऐसे जूट फसलों को भी नष्ट करने पर खर्च करना पड़ा।

अतः गत वर्ष जूट उत्पादक किसानों को जूट बीज की आपूर्ति में जो विलम्ब एवं धांधली की गई। यही नहीं अन्य फसलों के भारी उपज देने वाली (हाईझेल्ड) किस्म के बीज जैसे गेहूं, धान चना, मूंग की आपूर्ति में भी ऐसी धाँधली होती रही है। अतः अनुरोध है कि इसकी एक उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही भविष्य में समय पर प्रमाणित जूट एवं अन्य बीजों की आपूर्ति किसानों को ही इसकी व्यवस्था शीघ्र कराई जाए।

(viii) Need to set up a TV Centre at Almora or Pithoragarh

श्री हरीश रावत (अलमोड़ा) : देश की 70 प्रतिशत जनता को दूरदर्शन का लाभ प्राप्त हो सके, इस हेतु शासन द्वारा दूरदर्शन जाल के विस्तार हेतु घोषित योजना स्वागत योग्य एवं स्तुत्य है।

मसूरी-देहरादून-लखनऊ से होने वाले टेलीविजन प्रसारण में पहाड़ों से अवरोध पैदा होने के कारण अल्मोड़ा एवं पिथौरागढ़, जो कि सीमान्त जनपद हैं, वहां टेलीविजन दृष्टव्य साफ नहीं आता है। इस क्षेत्र के टेलीविजन उपभोक्ता लम्बे समय से पिथौरागढ़ या अल्मोड़ा में टेलीविजन सेन्टर खोलने की मांग करते आ रहे हैं। मैंने स्वयं इस मामले को कई बार इस सम्मानित सदन में उठाया है। इन क्षेत्रों में टेलीविजन दृष्टव्य साफ न आने की बात को स्वीकार करते हुए तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री जी ने भविष्य में इस क्षेत्र को प्राथमिकता देने की बात को सदन में स्वीकार भी किया है।

इस कठिनाई व दूरदर्शन के महत्व को देखते हुए पिथौरागढ़ शहर में चंडाक नामक स्थान या अल्मोड़ा में चितई धार के पास टेलीविज़न ट्रान्समिशन सेन्टर खोला जाना चाहिए। मैं इस सन्दर्भ में यह भी उल्लेख करना चाहूंगा कि स्वयं सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री जी ने कहा है कि नये ट्रांस्मीशन सेंटर सीमान्त क्षेत्रों में खोले जायेंगे। पिथौरागढ़ जनपद की सीमायें चीन व नैपाल से लगती हैं। चीन के सीक्यांग प्रान्त से होने वाला प्रसारण यहां सरलता से देखा जा सकता है। तिब्बत में फूलनचू नामक शहर में भी एक टेलीविजन रले सेन्टर खुलने जा रहा है। जहाँ से सरलता के साथ इन जनपदों कीं भोली-भाली जनता को प्रभावित किया जा सकता है।

नैनीताल या पौड़ी में ट्रान्समिशन सेन्टर खोलने से इन क्षेत्रों को फायदा नहीं पहुंच सकता है। अतः इन तथ्यों के आधार पर ट्रांसमिशन सेन्टर खोलने के मामले में पिथौरागढ़ को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिये।

(ix) Renovating the Maha Bodhi temple

श्रीमती माधुरी सिंह (पूर्णिया) : बिहार भारत का प्रमुख राज्य है। प्राचीन बिहार का इतिहास वेदों, पुराणों और महाकाव्यों पर